THE APPROPRIATION (RAILWAYS) VOTE ON ACCOUNT BILL, 1991.

रेल मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : मैडम, मैं प्रस्ताव करता हूं कि :

> "लोकसभा द्वारा यथापारित रेलों के प्रयोजन के लिये वित्त वर्ष 1991–92 की भार सेवाओं के लिये भारत की संचित निधि में से कतिपय राशियों की निकासी का उपबंध करने वाले विधेयक पर विचार किया जाये।"

The question was put and the motion was adopted.

THE DEPUTY CHAIRMAN: We shall now take up clause-by-clause consideration of the Bill.

Clauses 2 and 3 and the Schedule were added to the Bill.

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

श्री जनेश्वर मिश्र : मैं प्रस्ताव करता हूं विधेयक लौटाया जाए।

The question was put and the motion was adopted.

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : हमें भी बोलने का मौका दीजिये।... (व्यवधान)

उपसभापति : आप बहुत कनफ्यूज करते हैं। आप बैठ जाइये।... (व्यवधान)

श्री राम अवधेश सिंह : मंडल कमीशन के बारे में... (व्यवधान)

उपसभापति : अभी हम रेलवे की बात कर रहे हैं, मंडल कमीशन कैसे आयेगा?

श्री राम अवधेश सिंह : पिछली सरकार ने नीति के बारे में तय कर दिया था। नीति की कोई नई बात नहीं करनी है। शिक्षा में आरक्षण यह सरकार देगी, उम्र सीमा बढ़ायेगी कि नहीं और प्रोमोशन में आरक्षण देगी कि नहीं, रोस्टर सिस्टम लागू करेगी कि नहीं, कम से कम यह साफ-साफ सरकार बताये। इतना तो बता दे, इसमें पैसा नहीं लगता है।

उपसभापति : राम अवधेश सिंह जी आप जरा मेरी बात सुन लीजिये, भी रेलवे की बात हो रही है। अभी हम लोग मंडल कमीशन पर नहीं आये।

श्री राम अवधेश सिंह : रेलवे में भी तो मंडल कमीशन लागू हो सकता है कि नहीं?

उपसभापति : आप बैठिये।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now we take up the Appropriation (Railways) 1990-91 ....*(Interruptions)*

Already there is chaos and confusion everywhere. Why should we have it in Rajya Sabha? This is the only sane House. *(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): There is a lot of confusion in these items...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Of course, there is confusion because you are confusing him and me too.

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra): Others may be confused. But you should not get confused.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You see exactly what happens everywhere in the country is going to reflect on everyone, including me. So please have order in the House.

SHRI A. G. KULKARNI: But you don't get confused.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I don't get confused. Please sit down.

डा. रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : मैडम, अगर हिन्दी में ही होता, तो यह कनफ्यूजन न होता पूरे हाऊस में। आप का सैक्रेटेरिएट पेपर्ज हिन्दी में प्रोवाईड करने में असफल रहा है।

उपसभापति : पांडेय जी, आप सेक्रेटेरिएट के लिये कुछ न कहिये। आप बैठ जाइये।